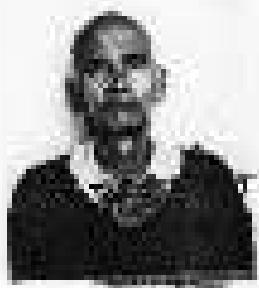




0300 396479



विक्राय विलोक्य

विक्राय वृत्ति :	रुप. 3,31,730/-
संज्ञास सूचि :	रुप. 1,79,200/-
दण्डव्य सूचि :	रुप. 37,210/-
परमाणा :	विवरणीय

वह विक्राय विलोक्य बनालीचरण द्वारा मल्ल निशाची—डगुक
गार तथा बगिछामठ, पटगांव-विजनीट, तालेगिल व

Prakte Bharatani Properties Pvt. Ltd.

पटगांव-विजनीट
गार तथा बगिछामठ

D. G. D. P.

Q. S. L. - 1934

卷之三

卷之三十一

ANSWER *See page 10.*

1000

1

46-3217391-

Digitized by srujanika@gmail.com

मिशन विद्यालय (असम)
सदर मुख्यालय
सिलगडी ৭২ পৰ্য



0233 959397

विला - सलानक जिन्हे आगे बिक्रीता करा गया है। एवम् अब्दा
भवानी प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड रजिस्टर्ड आफीस-1101
टर्नहाट्स इंडिया, टर्नहाट्स वार्ड, नई दिल्ली, वर्तमान
पांच-कृतीय तल, नाईट्रोजनसील्ड बिल्डिंग, 13-दाना प्रताप भाग
सलानक द्वारा अधिकृत इकाईकी की कोणकोएरिंड, डिवालाप्रबन्धक
पुरुष न्यू फ़ॉन्ड टिल्ह वर्तमान एवं लक्ष्यनी पांच- कृतीय तल,
नाईट्रोजनसील्ड बिल्डिंग, 13-दाना प्रताप भाग सलानक जिन्हें
आगे बिक्री करा गया है सो यस सिवायिता विला गया।

कृष्ण लक्ष्यन्दास



Arch. Bhawan, New Delhi, Del. 110

D. S. G. M. Project

3-11-06

कालीगंगा नदी के बहुत से जल

प्रवाहों में विभिन्न जल विद्युत उत्पादन करते हैं।

जल विद्युत उत्पादन करने वाले नदी

जल विद्युत

3-12-06

जल विद्युत

जल विद्युत उत्पादन करने वाले नदी

जल विद्युत

जल विद्युत

जल विद्युत

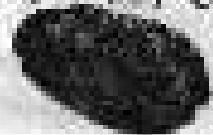
1000Rs



- 3 -

जह कि विक्रीता भूमि लागत नम्बर 30 रुपया 0.122 हेक्टेएक्ट, 100 रुपया 0.076 हेक्टेएक्ट युन रुपया 0.158 हेक्टेएक्ट, दिशत शाम बद्धुक नगर तरफ चिनीपाल, पटाना - चिनीपाल, सहसोल ज़िला लखनऊ, यह मालिक, कामिल व कामिल है तथा उपरोक्त लागतापिता अव्याख्यिक लाता सहसोली जग संख्या 20 के अनुसार भूमि विक्रीता के नाम यह अम्बा दहामब राजला आमिलको में हो गया है। विक्रीता अपना सम्पूर्ण हिस्सा छोड़ा को हस लिक्ष्य विक्रीता द्वारा विक्रीता कर रहा है विक्रीता उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के गालिक, कामिल व कामिल है इस वर्तमान समय में उपरोक्त भूमि कृषि भूमि है, और यह कि विक्रीता वह पोषित करता है कि उपरोक्त योर्जिता

लेखकानीरुद्



Digitized by srujanika@gmail.com

1000Rs.



- 4 -

मूर्मि राजी प्रकार के गाड़ी से मुश्ता एवं पाक व लाक है तथा लिंगता ने उसे हस्त विषय के दूर्घटनाको बद्ध, लिंग, गिर्धी या अनुशासित इत्यादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि या उत्तराका कोई भाग विस्तीर्ण व्यवसाय या खरपकाटी कार्यवाही को अन्वित विवाद का वर्तु विषय नहीं है, न ही कुकुर हत्यादि है। विशेषा को अन्वाय उत्तर मूर्मि में विस्तीर्ण अन्य व्यवसित या स्थान, हठ या दाढ़ा हत्यादि नहीं है, एवं विशेषा को उपर विलय अन्वाय भाने या दूर्घटनाकर प्राप्त है। अन्वाय उपरोक्त राज्यपाली को यज्ञलालन रुप 3,71,733/- लाख दृक्षणान लुजाट साल ती उत्तरालिङ्ग दत्तया) के प्रतीक्षा ये जिसका कि उपरोक्त लेना द्वारा विशेषा

विशेष लाली-नेट



कर्त्ता विशेष लाली-नेट
१५३
द्व्य. १२. १४. १९८८



- 5 -



की इस विलेख को अना में दी गई अनुसूची में वर्णित विधि के अनुसार शुल्कान बह दिया गया है एवं जितकी जापि को विक्रेता वही स्थीकार बनता है, तदानुसार उसका विक्रेता उसके बिना के हाथ उपर्योग कर्मित भूमि, जितका विवरण इस विक्रेता विलेख के अना में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, को बताइ देय दिया है, एवं विक्रेता ने विक्रयशुद्ध कुण्डि का बैंक पट कम्बा ब्रेंड को बतायी करा दिया गया है। अब उसका आराजी पट विक्रेता जथा उसके यादिसाम वा कोई अधिकार नहीं है। विक्रेता ने विक्रयशुद्ध समाप्ति को अपने द्वानिव के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया अपने ब्रेंड को लिए ब्रेंड को उत्तरान्तरित कर दिया है। अब फैला



Reserve Bank of India
Mumbai, 1950

By R. M. D. 1950



- 6 -

विज्ञानशुद्धा सम्पत्ति एवं उर्द्वके प्राचीन भाग को अपने एकान्नात्र स्थानान्विषय व अधिकार व लक्ष्यों में सम्बलित के रूप में धारण इवं उपस्थित व उपभोग करेंगे। विज्ञान उर्द्वके विस्तीर्ण प्रकार की अद्वितीय विज्ञानशुद्धा सम्पत्ति अद्वितीय कोई भाग विज्ञान के स्थानान्विषय में त्रुटि के बहारण या कानूनी अद्वितीय या कानूनी त्रुटि के बहारण विज्ञान या उर्द्वके वारिसाल निष्पादकगण इत्यादि को काही या अधिकार या त्वचा से निष्काल आये तो विज्ञान उर्द्वके वारिसाल, निष्पादकगण इत्यादि को यह इक होगा कि वह अपना समस्ता नुकसान वह हजार व लाखी, विज्ञान वी घर, अब उसमें से जहिरी आदानपा

क्षमता छूट



India Reserve Bank Ltd.

By T. M. Regar

वस्त्राल कर जे। उस लिखत में विजेता एवं उसके बारिसान हजार व रुपयों देने हेतु आवश्य होगा।

यह कि लंबा विक्रयशुद्ध सम्पत्ति की बालिल सारिज राजस्व अधिकलेलों गे अपने नाम द्यो यस्ता ले तो विजेता को कोई आपत्ति न होगी और ताह कि इस विक्रय विलेख को पूर्व का अगह कोई बदलाया किही तरह का भाट इस सम्पत्ति गर जाएगा तो उसको विजेता भुगतान व गहन बतेंगे, विजेता को बगैर आपत्ति न होगी।

यह कि उपरोक्त व्यक्ति गवर्नर गोव द्युप्रभावार उर्फ बागिन्यामऊ, अर्थनगरीय क्षेत्र के सामाच ग्राम को अन्तर्गत आता है इसांतिए नियोगित सटकिल रेट रु 9,00,000/- रुपति हेक्टेयर के डिसाय से विक्रीत मूलि 0.193 हेक्टेअट की मालियत रु 1,78,200/- होती है। यथा विक्रय मूल्य, शूष्ण वी बागान मूल्य से अधिक है इसांतिए नियमानुवार विक्रय मूल्य पर ही रु 37,200/- जनरल रुपय अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विक्रीत गृणि कृषि को उपयोग के लिए नहा यी जा चही है। इस मूलि में कोई गुआई, तालाब, व निर्माण आदि नहीं है। तथा 200 गोड़ के अर्धव्यापा मे योई नियोग नहीं है विक्रीत गृणि किही लिंक गार्म, राजमार्ग व जनस्थानीय गार्म पर लिखत नहीं है। विक्रीत गृणि सुलगान्युट दो तो लगभग दो किलोमीटर तो अधिक



State Election Inspector Dr. A.A.

Dy. E. M. Inspector

झुटी पर रिखत है। विशेषा अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं है। इस विकल्प विलेख को निष्पादन का सम्बल ल्या जैसा द्वाचा वहन थिया गया है।

पारशिष्ट : विवरण विज्ञानशास्त्र सम्बलि का विवरण

भूमि छातारा न० ५० लक्ष्या ०.१२२ हेक्टेअर, १०३ लक्ष्या ०.०७६ हेक्टेअर कुल लक्ष्या ०.१९८ हेक्टेअर, विधव गाम बूजूफ गगर उर्द्ध बड़ीखागड़, पहाड़ना -बिजनीट, तहसील व ज़िला लखनऊ, जिलकी चौहानी मिल है।

छातारा न० ५० लक्ष्या ०.१२२ हेक्टेअर

पूर्व	: लासठा संख्या-३२
पश्चिम	: लासठा संख्या-४६
उत्तर	: लासठा संख्या-५१
दक्षिण	: लासठा संख्या-४९, ४८

छातारा न० १०३ लक्ष्या ०.०७६ हेक्टेअर

पूर्व	: लासठा संख्या-११०
पश्चिम	: लासठा संख्या-१०५
उत्तर	: लासठा संख्या-१०७

दक्षिण : लासठा संख्या-१०९

Ambi Kishore Singhania M.A., LL.B.

लिखका-भृत्य-



Dy. D. M. Project

परिस्थिति : भूगतान प्रकल्प

पुल विकाय मूल्य रुप 3,71,739/- हीन लास्ट हफतात्तर हजार सात ही उलालिस रुपवा) द्वारा चेक संख्या-100556, दिनांकित 03.12.2004 पंजाब नेशनल बैंक, हजरतगंज, लखनऊ विकाय को जमता से प्राप्त हुए तथा जिलवाई प्राप्ति विकाय द्वारा काटते हैं।

लिहाजा यह दिवान्य पत्र हृषि विजयेशा ने लंबा के पक्ष में समझ गवाहन बिना फिली लोट दुष्कर्त थे, व त्याख्य दिला व मन की दशा में लिडा दिया ताकि समाद ढहे और आवश्यकता पड़ने पर उपर्युक्त आवें।

संस्कृत

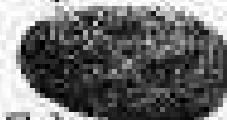
दिनांक 203-12-2004

三

13

१०८
१०९

ଶ୍ରୀମତୀ କାନ୍ତିମାତ୍ର



19

Prunus *blanchetii* *var.* *lutea*

Dr. B. M. Prakash

三

~~2.~~ ~~the~~ ~~the~~ ~~the~~

2020-01-01

L-41b-a

— 1 —

प्राचीन

— 1 —

100

राम साहा

enRgent

144

卷二十一

100

Map - 2000 ft. contour lines on 1:250,000 scale



Map - 2000 ft. contour lines on 1:250,000 scale
Public Land Survey System
Dr. O. M. Trapp

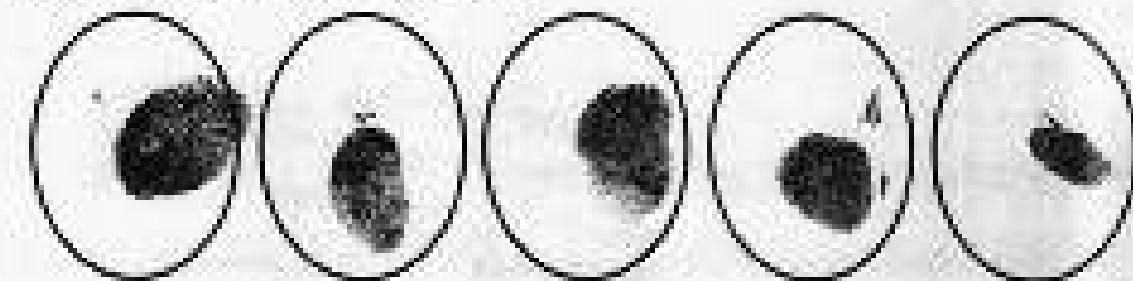
**राजिक्षेत्र अधिनियम 1908 की धारा 31ए के अनुसालन
हतु फिंगर्स प्रिन्ट्स**

କୁମାରପାତ୍ର/ଲିଙ୍ଗା ଜୀ ଏବଂ ମା : କୁମାରପାତ୍ର

କୁଳାଳୀ ମୁଦ୍ରଣ କାନ୍ତେ ଉପି କୋଣାରକ୍କାରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ଏହାରେ ଯଥିଲେ



दारिने दाय के अन्तिमों के लिए



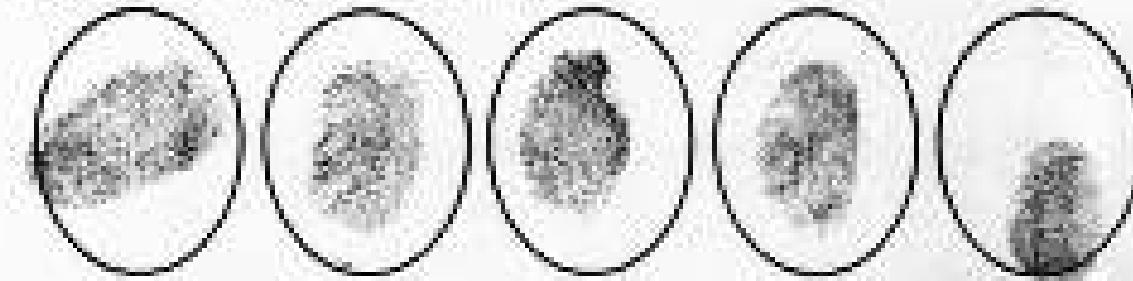
प्राप्तुनवत्। निश्चेता अस्याद्युक्ते हम्माता

प्रस्तुतान्विता का नाम तृष्णा :- तृष्णा-तृष्णा-तृष्णा

१८५४ शाराज संग्रह मीले तुरफेल का
वाये हवा के अन्तिमों के बिन्दु ;



ਚਾਹੀਂ ਜਾਥ ਦੇ ਸ਼ੋਭਿਆਚਾਰੀ ਦੇ ਪਿਲਾ



ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତପ୍ରକାଶନ ପରିଚାରିକା

